मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

आखरी समाय में हम करीब हो न हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

जब तक तन में ये सांस रहेगी
थोड़ी सी ये मिटटी मेरे पास रहेगी
क्या पता ये धाम नज़दीक हो न हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

तेरे धाम की ये मिटटी बड़ी ही महँ
इसके तो कण कण में है मेरा श्याम
इससे अच्छा मेरा ये नसीब हो न हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

लाखों लाखों भक्तों के पाँव पड़े हैं
बरसों से इसमें मेरे श्याम खड़े है
अगले जनम में ये गरीब हो ना हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

बनवारी मेरा ये नसीब खुल जाए
तेरी मिटटी में ये मेरी मिटटी मिल जाए
नाम मेरा भक्तों में शरीक हो ना हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12027/title/mittu-khatu-dhaam-ki-naseeb-ho-na-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |